an>

Regarding Inadequate response of the Government to the public protest against TRAI consultation papers that violates the premise of Net Neutrality and favours Telecom Operators over the interest of consumers

श्री राहुल गांधी **(**अमेठी**):** हाँ, मगर अमेरिका के राष्ट्रपति गोर्बाचोव की प्रशंसा करते थे, क्योंकि गोर्बाचोव जी ने अमेरिका की मदद की थी। मैं नेट न्यूट्रेलिटी पर बोलना चाहता हूं। मनरेगा की बात होती है, भोजन के अधिकार की बहुत बात होती है, नेट न्यूट्रेलिटी बड़ा कम्प्लीकेटेड शब्द है, मगर इसका मतलब है नेट का अधिकार। हरेक युवा को नेट का अधिकार होना चाहिए।

माननीय अध्यक्ष**:** वैसे शायद कल यह विषय शून्य काल में उठ चुका है, लेकिन आप अपनी बात कहें।

...(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी**:** हरेक युवा को नेट का अधिकार होना चाहिए। सरकार इंटरनेट को भी बड़े-बड़े उद्योगपतियों को बांटना चाहती है। One million people have registered to fight for net-neutrality. Youths have voted they are asking on Twiter, on Facebook and on all other application, they are fighting for net-neutrality. And this Government is trying to carve out net and hand it over to some corporates. I would request the Government to please stop the TRAI consultation and to look into changing the law or writing a law for net-neutrality. Thank you.

माननीय अध्यक्ष**:** कुमारी सुष्मिता देव, श्री गौरव गोगोई को श्री राहुल गांधी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** आप क्यों बोल रहे हैं, आप बैठ जाएं, क्योंकि आपके मंत्री जी कुछ कहना चाहते हैं।

शहरी विकास मंत्री**,** आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री **(**श्री एम. वैंकैय्या नायडू**) :** राहुल जी, इश्यू उठाने का आपको अधिकार है और आपने उठाया, इसमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन इंसिन्युएशन नहीं करना चाहिए सरकार के ऊपर...(व्यवधान) I think you do not want any response...(*Interruptions*) आप बैठ जाएं। आप उत्तर नहीं सुनना चाहते, ठीक है आपको पोलिटिकल प्रचार चाहिए...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष**:** आप बैठ जाएं, पूरी बात तो सुन लीजिए।

श्री एम. वैंकैय्या नायडू**:** मैडम, उन्हें रिस्पॉंस नहीं चाहिए, सिर्फ पोलिटिकल प्रचार चाहिए, सब देशवासियों को मालूम है। नेट को न्यूट्रल करने के लिए सरकार द्वारा रवि शंकर जी ने आलरेडी बाहर वक्तव्य दिया है। जरूरत होगी तो यहां भी वक्तव्य देंगे। जरूरत पड़ी तो वक्तव्य देंगे।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **: राहुल जी को आपके समर्थन की आवश्यकता नहीं है, वे समर्थ हैं।**

â€¦(व्यवधान)

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री **(**श्री रवि शंकर प्रसाद**) : अध्यक्ष महोदया, हम इस सदन को बहुत विनम्रता से बताना चाहते हैं कि इस कांट्रोवर्सी के आने के पहले ही मैंने कहा था कि हमारी सरकार इस देश के नौजवानों के इंटरनेट के एक्टीविज़्म का अभिनंदन करती है, जिसने हिन्दुस्तान के** आई.टी. पावर को आगे बढ़ाया है। हमारे प्रधानमंत्री जी ने डिजिटल इंडिया की कल्पना की है, जिसे हम इम्प्लीमेंट कर रहे हैं। जिसके बारे में उनका निर्देश है कि सारे देश के लोगों को इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री जी ने कहा है कि हमें ऐसी व्यवस्था करनी है कि नॉन**-डिस्क्रिमेट्री** रूप से लोगों को इंटरनेट उपलब्ध हो। हमारे प्रधानमंत्री जी का हमें निर्देश है कि हम सिर्फ ई-गवर्नेंस नहीं चाहते हैं, हम मोबाइल गवर्नेंस चाहते हैं कि लोगों के हाथ में मोबाइल गवर्नेंस उपलब्ध होना चाहिए। यह हमारी कल्पना है कि इंटरनेट सभी के लिए उपलब्ध होना चाहिए।

मैं आपको बताना चाहता हूं, माननीय राहुल गांधी जी आप वरिष्ठ नेता है और मैं पूरे विश्वास से यह बताना चाहता हूं कि हमारी सरकार न किसी कारपोरेट के दबाव में आती है और न कभी आएगी।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष महोदया, मुझे इस हाउस को बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि स्पेक्ट्रम के आवशन में हमने एक लाख दस हजार करोड़ रुपए की ऐतिहासिक राशि कमाई है। इससे पहले क्या होता था, इसके बारे में दुनिया जानती है। कोयले में क्या हुआ था? लेकिन पूरे नेट न्यूट्रिलिटी की कंट्रोवर्सी आने से पहले जनवरी, 2015 में ही मैंने अपने विभाग की कमेटी बनाई थी और उस कमेटी को कहा है कि इस पूरे मामले का अध्ययन करो। मई के दूसरे सप्ताह में रिपोर्ट आने की बात कमेटी ने कही है। माननीय राहुल गांधी जी ट्राई को ट्राई एक्ट के बारे में विचार करने का अधिकार है लेकिन निर्णय लेने का अधिकार रवि शंकर प्रसाद का है, नरेन्द्र मोदी की सरकार का है।...(व्यवधान) यह कानून की प्रक्रिया है। जब उनकी अनुशंसा आएगी, टेलीकॉम कमीशन विचार करेगा, फिर मैं निर्णय करूंगा, कैबिनेट निर्णय करेगी।...(व्यवधान)

श्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया **(**गुना**) : आप कब तक निर्णय लेंगे**?...(व्यवधान)

श्री रवि शंकर प्रसाद **:** माननीय सिंधिया जी, राहुल गांधी जी आपसे प्रश्नस्ता से बोले हैं, आप जरा शांत रहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मेरा कहना है कि मेरी सरकार इस सदन को आश्वस्त करना चाहती है कि जब प्रधानमंत्री जी डिजिटल इंडिया की बात कहते हैं, तो हमारा लक्ष्य है कि देश के 125 करोड़ लोगों के पास इंटरनेट होना चाहिए। इसके लिए हम पूरी तरह से संकल्पित हैं लेकिन जो कानून की प्रक्रिया है, मैंने अपने विभाग को कहा है कि दो हफ्ते में रिपोर्ट दे।

मैं अंत में कहना चाहता हूं कि आज राहुल गांधी जी इंटरनेट की उपलब्धता की बात कहते हैं, यह बहुत अच्छी बात है, लेकिन अगस्त, 2012 में किन-किन के **ट्विटर हैंडल्स** रोके गए थे और किन कारणों से रोके गए थे, इस पर भी कभी देश को विचार करना पड़ेगा।...(व्यवधान) हम तो चाहते हैं कि सभी लोगों के पास इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो। आप चिंता मत कीजिए, इस देश के नौजवानों का, इस देश के लोगों का इंटरनेट का भविष्य हम पूरी तरह से सुरक्षित करेंगे। मैं आपको एक अंतिम बात कहना चाहता हूं कि उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति के द्वारा हमारे प्रधानमंत्री के सम्मान की बात कही है। यह अच्छी बात कही है। हम यह भी बताना चाहते हैं कि दुनिया में सोशल मीडिया में सबसे पापुलर लोगों में भारत के प्रधानमंत्री भी हैं और हम सोशल मीडिया का सम्मान करना चाहते हैं।

माननीय अध्यक्ष **: मेरा आप लोगों से एक निवेदन है कि अगर विषय से संदर्भित नहीं है तो प्रधानमंत्री जी की भी बात नहीं करनी चाहिए।** If it is not related.

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया जी।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **: ज़ीरो ऑवर में चर्चा नहीं होती है। आप लोग बैठ जाइए।**

â€¦(व्यवधान)

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया **: अध्यक्ष जी, आपने मुझे ज़ीरो ऑवर में बोलने का मौका दिया,** इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **: इस तरह से सवाल-जवाब नहीं होते हैं।**

â€¦(व्यवधान)

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया **:** सबसे बड़ी बात तो यह है कि जिस बात को यह कह रहे हैं हमें यह ताज्जुब है कि छाछ तो बोले तो बोले, छलनी भी बोले जिसमें 70 छेद हैं। इस देश को लूट कर खा गए हैं और आज वही लोग यहां बोल रहे हैं।...(व्यवधान)

श्री राहुल गांधी **(अमेठी): महोदया, मैं केवल एक सवाल पूछना चाहता हूं और केवल दस सैकिंड का समय लूंगा।...**(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप मेरी बात सुनिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** आप कृपया मुझे तो बोलने दीजिए। मैं उनसे बात करना चाहती हूं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:,** आप लोग बैठ जाइए। आप बैठ जाएं।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** राहुल जी, आप मेरी बात समझिए। जीरो आवर में सवाल जवाब नहीं होता है। जीरो आवर में स्वयं मंत्री जी अगर आपकी बात का उत्तर देना चाहें तो मैं अलाऊ करती हूं। अगर दोनों तरफ से सवाल जवाब चलेंगे तो ऐसा नहीं होता है। मंत्री जी ने जो कुछ भी कहा है, उसे आप अन्य तरीके से मत लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **: इस तरह से डिस्कशन नहीं होता है। इस तरह से सवाल नहीं होते हैं।**

â€¦(व्यवधान)

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया **:** महोदया, मैं अपने क्षेत्र की कुछ समस्याएं सदन में रखना चाहता हूं क्योंकि मेरे क्षेत्र में त्रिनैन गणेश जी का मंदिर ...(व्यवधान) चौथ माता का मंदिर और वनस्थली विद्यापीठ में करीब बारह हजार छात्राएं पढ़ती हैं...(व्यवधान) इसलिए रेल ठहराव की बात मैं आपके माध्यम से, रेल मंत्री जी अपने कक्ष में बैठे होंगे,...(व्यवधान) उनके सामने रखना चाहता हूं।...(व्यवधान)

HON. SPEAKER: I will not allow.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: This is not the way.

...(*Interruptions*)

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया **:** मैं रेल मंत्री जी से मांग करता हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र सवाई माधोपुर के विधान सभा क्षेत्र के गंगापुर सिटी की तरफ दिलाना चाहता हूं।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष **:** जौनपुरिया जी, आप एक मिनट रुक जाएं।

श्री मल्लिकार्जुन खड़गे **(गुलबर्गा) :** महोदया, इसमें कोई कॉम्प्लिकेशन नहीं है और हम बार-बार प्रश्न पूछकर टिवकत में नहीं डालना चाहते हैं। राहुल जी एक स्पष्टीकरण इस बारे में पूछना चाहते हैं क्योंकि बहुत से प्रश्नों से हटकर मंत्री जी ने बात कही है। जब मंत्री जी प्रश्न से हटकर बात करते हैं तो हमें भी हक होता है। आपकी कृपा से हमें भी हक है क्लैरिफिकेशन पूछने का। Kindly permit one question....(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष **: आप मेरी बात सुनिए। मैं आपकी बात भी कहूंगी। आप लोग भी इस बात को समझिएगा कि यह सब रूल आप लोगों ने ही बनाएं हैं। यदि इनको बदलना हो,** Any time you can do that. आप रूल्स कमेटी को अपने सजैशन्स दे दीजिएगा। शून्य काल में इस तरह से जवाब नहीं लिया जाता है। If hon. Minister is ready और वे कुछ बोलना चाहते हैं, यही होता है। सवाल-जवाब नहीं होते हैं। अगर आपको इस बारे में कुछ भी एक्सप्लेनेशन चाहिए, There are many ways. वैसे तो कल एम.बी. राजेश जी ने भी सेम बात उठायी थी और वह भी कहेंगे कि मुझे भी कुछ क्लेरिफिकेशन्स पूछने हैं तो इस तरह से नहीं होता है। अगर आप चाहें तो इस पर आधे घंटे की चर्चा मांग सकते हैं, I will give that. मैं प्रोसीजर के अनुसार ही बोलने की अनुमति दे सकती हूं। ज़ीरो ऑवर में इस प्रकार से सवाल-जवाब नहीं होते हैं और न ही किए जाते हैं।